Mahanagar Metro

IWTMA and Messe Husum sign a Memorandum of Understanding

Date: 18/10/2016 | Edition: Ahmedabad | Page: 4 | Source: Bureau | Clip size (cm): W: 11 H: 10

India Media Monitor

Clip: 1 of 1

आईडब्ल्यूटीएमए और मेसहुसुम ने मेमोरेंडम ऑफ अडरस्टैंडिंग पर किए हस्ताक्षर

अक्टूबर, 2016.: आईडब्ल्यूटीएमए और मेसहुसुम ने इंडो जर्मन एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (आईजीईपी) ने अक्षय ऊर्जा और स्थायी पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए हाथ मिलाया। अक्षय संसाधनों का उत्पादन करने एवं प्रोत्साहन देने के लिहाज से दो संस्थानों ने इस विकास को आपसी सहयोग को मजबूती देने के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए। भारत और जर्मनी ने अपनी आबादी के लाभ के लिए पर्यावरण अनुकूल विकास के लक्ष्यों और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को कम करने के उद्देश्य को साझा करते हैं। भारत के विकास की सफलता काफी हदतक संभावनाओं पर निर्भर होंगी जिससे ऊर्जा और मांग के बीच के बड़े अंतर को भरा जा सके।दोनों पक्ष यह महसूस करते हैं कि पवन ऊर्जा इस संदर्भ में अहम भूमिका निभाएगी और इसलिए आईडब्ल्यूटीएमए और मेसहुसुम ने इस विकासको बढ़ावा देने के लिए सहयोग मजबूत करने को लेकर सहमति जाहिर की है।

श्री सर्वेशकुमार, चेयरमैन, आईडब्ल्यूटीएमए ने इस मौके पर कहा, ''हम सम्मानित महसूस कर रहे हैं कि मेसहुसुम ने हमारे साथ हाथ मिलाया है। हमारा लक्ष्य जागरूकता को बढ़ावा देना और पवनऊर्जा उद्योग के नवोन्मेष एवं मजबूती को प्रभावी ढंग से दर्शाने की जरूरत परजोर देना है।